

The Gozette of India

अ**साधार**ण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 331] No. 331] नई बिल्ली, शनिवार, जुलाई 18, 1981/म्राधाद 27, 1903

NEW DELAI, SATURDAY, JULY 18, 1981/ASADHA 27, 1903

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संस्था को जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सबे

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

विधि न्याय ग्रीर कम्पनी कार्यं मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

आवेश

नर्ड दिल्ली, 17 जुलाई, 1981

का०आ० 568(आ) — केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हिल मे ऐसा करना प्रावण्यक ग्रीर संसीचीन है ,

भत, केन्द्रीय सरकार एकाधिकार तथा धवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 5 के उपनियम (5) द्वारा प्रवत्त शिक्षित्र क्रियों करसे हुए, भारत सरकार के विधि, व्याय और कम्पनी कार्य मत्नालय (कम्पनी कार्य विभाग) की धिक्षमूचना स० का०्या० 2802, नारीख 24 जुलाई, 1976 की अधिकाल करने हुए, इस भावेश से उपावद्ध प्रव्य की उस प्रक्ष्य के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसमें ऐसे उपक्रमों की बावत, जिनमें जहां तक उस आवेश की धन्मूची में विनिर्दिष्ट किसी वस्तु के उत्पादन की दथा में उनमें अमना की स्थल बृद्धि होती है, एकाधिकार तथा धवरोधक व्यापारिक व्यवहार भिवित्यम, 1969 (1969 का 54) की धारा 21 की उपधारा (1) के भ्रधीन सूचता दी जाएगी।

उपायश्ध

प्रकथ आई एल

अनुक्तित्व या अनुक्ता के लिए आवेवन (10 अतिरिक्त प्रतियो सहित प्रस्तुत किया जाए)

टिप्पण इस प्ररूप का उपयोग, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के उपबन्धों के अधीन किसी औद्योगिक उपक्रम की स्थापना के लिए (धारा 11 के अधीन) या पर्याप्त विस्तार करने के लिए [धारा 13(1)(घ) के प्रधीन] या किसी नई वस्तु के विनिर्माण के लिए (धारा 11क के प्रधीन) धनुज्ञान्ति या धनुजा के प्रावेदन के लिए किया जाता है।

- । आवेदक का नाम भौर पना
- 2 (i) घौद्योगिक उपक्रम का नाम और पना
 - (ii) स्वत्वधारियों, भागीवारो या बोर्ड निदेशको के नाम भीर उनके पते।
- 3 क्या उपकम एकाधिकार तथा प्राथरोधक व्यापारिक व्यवहार प्रधिनियम, 1969 के प्रधीन रिजम्ट्रीकृत है ? यदि ऐसा है तो कृपया निम्नलिखन उपवर्णिन करें ---
 - (i) धारा 20 की यह उपधारा जिसके प्रति निर्वेण से वह रिजम्ट्री-कृत है, [प्रथान् धारा 20(क) या (ख)]
 - (ii) र्राबस्ट्रीकरण सख्या श्रीर तारीख
 - (iii) क्या कम्पनी कार्य विभाग की स्वाधिकार तथा ध्रवरोधक ब्या-पारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 की घारा 21 या 22 के प्रधीन ध्रनुज्ञा के लिए ध्रावेदन किया गया है ? यदि हां तो मक्षिप्न विवरण दें। यदि नहीं तो धावेदन प्रस्तुत न करने के कारणों का उल्लेख करें।
 - (iv) यदि एकाप्रिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार धिवियम के अधीन रिकस्ट्रीकृत नहीं है तो उसे 'कारण बताओ' सूचना की यदि कोई हैं सख्या और तारीख लिखे जो आपको कम्पनी कार्य त्रिभाग द्वारा जारी की गई है। यह भी उप-दर्शिप करें कि का भापने इस निमित्त उस विभाग को कोई अध्यावेदन किया है यदि ऐसा है, तो कब।

(955)

481 GI/81

- (v) क्या आवेदक फर्म/उपकम एकाधिकार अधिनियम के निबन्धनों के अनुसार प्रधान उपक्रम है, यदि ऐसा है तो उपर्दाशत करें।
 - (क) उत्पादन की मदें जिनकी बाबत उपक्रम "प्रधान उपक्रम" के प्रवर्ग के अन्तर्गत भ्राता है,
 - (ख) ऐसी मदों की बाबत पूर्ववर्ती चार कलेण्डर वर्षों के वाधिक उत्प्रादन ग्रांकड़े।
- 4. क्या ब्रावेदक फर्मं/उपक्रम में कोई विदेशी साधारण शेयर धारण है और यदि ऐसा है तो विदेशों में रिजस्ट्रीकृत कम्पनियों द्वारा या ग्रमार-तीय राष्ट्रिकों द्वारा या श्रनिवासी भारतीयों द्वारा धृत साधारण शेयर धारण की सीमा और प्रतिशतता । ये विवरण प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विदेशी घृतियों के लिए पृथक-पृथक रूप से दिए जाने चाहिएं ।
- 5. (क) क्या नए उपक्रम द्वारा विनिधान लिया जाना प्रस्तावित है ? यदि ऐसा है तो स्वत्वधारियों, भागीदारों ग्रौर बोर्ड के निदेशकों के नाम ग्रौर पते उपर्दाशत करें।
 - (ख) सहकारी उपक्रम के मामले में, निम्नलिखित उपर्दाणत करें:
 - (i) इस बारे में ब्यौरे दें कि उसकी सदस्यता ग्रर्थात् किस प्रकार गठित की गई है, कर्मकारों की, कच्ची सामग्री के उत्पादकों की, उपभोक्ताग्रों की ग्रौर ग्रन्य की,
 - (ii) पूंजी संघठन के ब्यौरे, अर्थात् पूंजी सदस्यों द्वारा, राज्य या केन्द्रीय सरकार द्वारा और अन्य द्वारा शेयर भागीदारों से बढ़ाई जानी है।
- 6. प्रस्तावित विनिधान के लिए वित्तीय पैटर्न जिसमें निम्नलिखित ब्यौरे ग्रन्तिबष्ट होंगे:—(i) ग्रावेदक ग्रौर उसके समर्थकों द्वारा जुटाई जाने वाली पूंजी ;
- (ii) वित्तीय संस्थाओं से उधार रोक कर हामीदारी करके, साधारण पंजी में भागीदारी करके, आदि के द्वारा ली जाने के लिए प्रस्तावित सहायता यदि कोई हो, और
 - (iii) ग्रन्य स्रोतों से
 - 7. (क) कारखाने का प्रस्तावित ग्रवस्थान तहसील जिला

राज्य

- (ख) क्या तहसील/जिला सरकार से विनिधान साहात्यिकी के लिए पात्र ग्रिधसूचित पिछड़ा क्षेत्र है ?
- (ग)(i) क्या प्रस्तावित अवस्थान, भारत की जनगणना, 1971 में यथा अवधारित 10 लाख या अधिक जनसंख्या वाले शहर की मानक नगरीय क्षेत्र सीमा के भीतर पड़ता है
- (ii) किसी ऐसे शहर की नगर पालिक परिसीमा के भीतर पड़ता है जिसकी जनसंख्या भारत की जनगणना, 1971 में यथा अव-धारित 5 लाख से अधिक है।
- 8. क्या विद्यमान विनिधान नए उपकम नं० 30 के लिए हैं या नई बस्तुओं न०व० के विनिर्माण के लिए है या विद्यमान उपकम में पर्याप्त विस्तार (व०वि०) के लिए है।
- विनिर्माण की मदें और क्षमताएं, जिनके लिए अनुज्ञप्ति मांगी गई है।

ऋम	विनिर्माण की मदें	ग्रधिसूचित उद्योग	प्रस्तावित	वार्षिक
संख्या		जिससे यह संबन्धित है	संस्थापित क्षम	ाता

10(क) कच्ची सामग्री और संघटकों को प्राक्कलित अपेक्षाएं

	कच्ची सामग्री का नाम	देशी या ग्रायातित	मात्रा	मूल्य, यदि ग्रार्थ्य त किया जाए तो लागत, बीमा, भाड़ा मूल्य
1	2	3	4	5

(ख) ब्रायात प्रतिस्थानापन्न के लिए क्रमिक विनिर्माण कार्यक्रम, पांच भ वर्ष के लिए ब्यौरे दें।

वर्ष	विनिर्माण	वार्षिक	क उत्पादन	श्रायातित श्रन्तर्वस्तु की
	की मद			लागत बीमा भाड़ा
		मावा	कारखा ना द्वारा कीमत	मूल्य के अर्थात् सभी स्रायातित कच्ची सामग्री
				ग्रौर संघटकों का जोड़ ग्रनुसार प्रतिशतता

1	2	3	4	5	

पहला वर्ष

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

दूसरा वर्ष

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

तीसरा वर्ष भ्रादि

- 11. यदि स्थिर म्रास्थियों में प्राक्कलित विनिधान 3 करोड़ ह्पए से कम है तो निम्नलिखित विशिष्टियां लिखें।
 - (क) ग्रायातित कच्ची सामग्री की (इस्पात ग्रौर एलुमिनियम से भिन्न (सी॰ग्राई॰एफ॰) मूल्य में वार्षिक ग्रपेक्षाएं ग्रौर उस मद के, जिसके विनिर्माण में कच्ची सामग्रियों का उपयोग किया जाना है, उत्पादन के वार्षिक कारखाना द्वार मूल्य के सात प्रतिशत

ऋम सं०	उत्पाद	ग्रपेक्षित ग्रायातित कच्ची सामग्री का मूल्य (सी०ग्राई० एफ०)	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	स्तम्भ 3 की स्तम्भ 4 से प्रति- शतता
1	2	3	4	5

(ख) उत्पादन के प्रारम्भ की तारीख से चौथे वर्ष में ग्रायातित पुर्जों ग्रौर संघटकों की प्राक्कलित ग्रपेक्षाग्रों का लागत, बीमा, भाड़ा मूल्य ग्रौर वार्षिक उत्पादन के कारखाना द्वार मूल्य से ऐसे ग्रायातों की प्रतिशतता 12. यदि नई वस्तुश्रों का विजि़र्माण या विद्यमान उपक्रम में पर्याप्त विस्मार करने का प्रस्ताव है सो निम्नलिखित स्थीरे दें।

(事)

 कम सं०	े_ विनिर्माण की मद	- वर्तमान श्रनुजप्त क्षमना	घ्यान में रखे गए विस्तार की क्षमना	विस्तार के पश्चात् वाधिक क्षमता (स्तम्भ 3 ग्रौर स्तम्भ 4)
1	2	3	4	5

- (द्य) (1) वर्तमान समय में त्रिनिर्मित मद्रों के वार्षिक उत्पादन का,
- (2) विनिर्माण के लिए प्रस्तावित मदो के वार्षिक उत्पादन का , कारखाना क्षार मूल्य
- 13. स्थिर भास्यियों की मपेक्षाएं निम्नलिखित में उपदर्शित करें:
- (क) भूमि

विश्वमान

प्रस्माविस

- (स्रा) भवन
- (ग) मशीनरी
 - (1) देशी
 - (2) मायातित
- 14. क्या कोई विदेशी सहयोग (चाहे वह रायल्टी के रूप में हो या परामर्शी करार या विनियोग के रूप में) नेने का विचार है?
- 15. (क) क्या विनिर्माण के लिए प्रस्ताबित मदों को निर्यात करने का बिजार है? यदि ऐसा है तो निर्यात की जाने वाली मात्रा और उसका पोतपर्यक्त निःशुरूक मूल्य उपदिशात करें।
- (ख) क्या भ्राप किसी निर्यात बाध्यता का भार भ्रापने ऊपर लेने के लिए तैयार है ? यदि ऐसा है तो उत्पादन का वह प्रतिशत, उसका मृल्य भ्रौर/या वह माला उपवर्शित करे जो बाध्यता के श्रन्तर्गत ग्राएगी।
 - 16. पहले पांच वर्षों के लिए संदायों के ग्रामिणेय पर प्रभाव :
 - (क) निर्यात बाध्यता के श्रान्तर्गत श्राने वाले निर्यातों के पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य पर श्राष्ट्रारित विदेशी मुद्रा उपार्जन भौर/या भ्रायात प्रतिस्थापन के माध्यम से विदेशी मुद्रा बचत (लागत, बीमा, भाडा मूल्य)
 - (ख) निम्नलिखित पर विवेशी मुद्रा ज्यय।
 - (1) मर्गानरी भीर उपस्कर का स्नायात
 - (2) कच्ची सामग्रियों ग्रीर सबदकों का ग्रायान
 - (3) विदेशी सहयोग कर्तामी को लाभाश ग्रीर लाभी का संप्रत्यावर्तन
 - (4) एक मुश्त राणि, रायर्ल्टा, तकनीकी व्यवहार ज्ञान फीस भावि के रूप में सहयोग कर्ताभी को भ्रन्य संदाय।
 - (ग) शुद्ध विदेशी मुद्रा--निर्गम या भ्रागम (क) श्रष्टण (खा)
 - 17. जल प्रदाय :
 - (i) क्या कारखाने भीर नगरीय क्षेत्र भीर कर्मचारीकृत्व के क्वार्टरो की भिष्मिभों के लिए पर्याप्त जल (मान्ना लिखे) उपलब्ध है ?
 - (ii) क्या यह पब्लिक स्रोतो से लिया जाएगा?

18. विद्युत प्रदाय :

संबद्धाभार कि०वा० मे म्रिकितम मांग किञ्चाञ्में

- (क) प्रस्ताबित परियोजन के लिए विद्युप की कुल भ्रमेक्षाएं
- (खा) उपर्युक्त विद्युत श्रपेक्षाश्चों का विभाजन जो निम्नलिखित स्नातों से पूरों की जाएंगी:
 - (i) स्वयं के उत्पादन केन्द्र से
 - (ii) यार्वजनिक प्रवाय से---
- (ग) स्वयं के स्टेशन की दशा में, कियाशील संपन्न की विशिष्टिया दे।
- 19. परिवहन : सर्व संभव हो तो कच्ची सामग्री ग्रौर परिरूपित उत्पाद के लाने-ले आने के लिए रेल परित्रहन की अपेक्षाओं को संलग्न प्रीफार्मा मे उपविधान करें।
- 20. ईंबन 'ईंघन की अपेक्षाओं के क्यौरे दें। यदि संसव हो तो कोयला/कोक की अपेक्षाओं को संलग्न प्रोफार्मा में उत्तर्शित करें।
- 21. परियोजना के कार्यास्वयन में नियोजित किए जाने के लिए अस्ताबित कर्मचारियुन्द भीर अभिक ।
 - (क) प्रवन्धतंत्रीय
 - (ख) पर्यविक्षी तकनीकी गैरसकनीकी
 - (ग) लिपिकीय
 - (घ) श्रमिक कुगल भ्रद्धीकुगल अर्फ्रगल
 - (इट) भ्रन्य प्रवर्ग, यदि कोई हो

योग

- 22. क्या फिन्ही ग्रंपेक्षित संघटको को लघु उद्योगों या भ्रानुषंगिक एककों को उपमंत्रिदा पर दिए जाने का प्रस्ताव है ? यदि ऐसा है ती उनके स्थीरे दें।
- 23. विनिर्माण में अन्तर्वलित प्रक्रियाओं का भीर उनके अक्ताने के लिए अनुकुल कारणों का संक्षिप्त विवरण दें।
- 24. बिह स्रोतों घीर गैसों के वायु, जल घीर मिट्टी में निर्वहन के सुरक्षित क्ययन को सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नाजित प्रयास उदर्शित करें।
- 25. प्राणय पत्न या प्रौद्योगिक प्रमुक्षित जारी किए जाने की तारीख मे वाणिज्यक उत्पादन के लिए प्रवेक्षित प्राक्किल गमय।
- 26. क्या आवेदक का कोई श्रोडोगिक अनुकृष्टि या पाणय-पत्न श्रव तक जारी किया गया है और यदि ऐसा हे तो उसे जारी किए गए प्रत्येक आशय-पत्न/श्रीद्योगिक अनुकृष्टि की, निर्देण गंख्या. जारी करने की नारीख, जिनिर्माण की मर्दो, और ऐस प्रत्येक प्राध्य पत्न/श्रीद्योगिक अनुकृष्टि के कार्यान्वयन की प्रगति सहित पूर्ण विशिष्टियों।
- 27. उन भौद्योगिक उपक्रमों क क्योर दे जो आयार के नियंत्रणा-धीन है या जिनके प्रबन्ध मंडल के माथ आवेदक महबद्ध रहा है भौर जो आयेदन की नारीख के पूर्ववर्ती सीन वर्ष की श्रविध के दौरान कम

से कम 90 दिन की लगातार भ्रयधि के लिए बन्द रहे थे, उस औद्योगिक छपक्रम के बन्द होने के कारणो भौर उसको पुनः प्रवर्तित करने के लिए प्रवन्धमंडल द्वारा की गई कार्रवाई और उसकी वर्तमान स्थिति का भी उस्लेख करें।

28. कृषया उन कारणों का उल्लेख करें जो ग्राप ग्रपने श्रावेदन की बाबस धनुकूल मानते है, उवाहरण के लिए, स्कीम के कार्यान्वयन के लिए धावेदक या उपक्रम की उपयुक्तता ग्रीर धनुभव, धावेदन करने के पूर्व किए गए तकनीकी, ग्राधिक पक्षों का प्रारम्भिक ग्रध्ययन, बाजार सबन्धी पूर्ण श्रनुमान ग्रादि, प्रत्यक्ष भौर ध्रप्रस्थक्ष नियाजन ग्रीर पर्माप्त विक्तार के मामले में वे वाते जो उसके श्रनुकुल होगी।

स्थान-------सारी**व**------

भावेदक के हस्ताक्षार

स्पष्टीकारक टिप्परा

- (1) "ग्रीग्रामिक उपक्रम" से किसी ग्रनुमूजित उद्योग से सबद्ध कोई उपक्रम ग्रामित है जो एक या ग्राधिक कारखानों में किसी व्यक्ति या श्राधिकारी द्वारा जिसके ग्रन्तर्गत सरकार भी है, चलाया जा रहा हैं।
- (2) ऐसे भौग्रोगिक उपक्रम के समिन्न मे, जो रिजस्ट्रीकृत है या जिसकी बाबत भनुकप्ति या भ्रमुका दी गई है, ''नई बस्तु'' से अभिप्रेत हैं '——
 - (क) उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 की पहली श्रनुसूची में किसी ऐसी मद के श्रधीन श्राने वाली कोई वस्तु, जो उस मद से भिन्न है जिसके ग्रधीन, यथास्थित, रिजस्ट्री-करण की या श्रनुज्ञान्ति या श्रनुज्ञा देने की तारीख का उस श्रीद्योगिक उपक्रम में मामूली तौर से विनिर्मित या उत्पादित वस्तुएं श्राती है;
 - (ख) कोई वस्सु, जिस पर ऐसा चिक्क लगा हुआ है जो देड माक्से ऐक्ट, 1940 में यथा परिभाषित है या जो किसी पेटेन्ट की विषय है यदि, यथास्थिति रजिस्ट्रीकरण की या श्रनुक्तरित गा

भ्रनुज्ञा देने की तारीख को वह श्रीक्षोगिक उपक्रम ऐसी वस्तु को जिस पर वह चिक्क लगा हुआ है या जो उस पेटेन्ट का विषय है विनिर्मित या उत्पादित नहीं कर रहा था।

(3) श्रवतुष्वर, 1966 में की गई मरकारी घोषणा के भनुमार श्रीद्योगिक उपत्रम ऐसी वस्तुमों का उत्पादन जिनके लिए वे अनुज्ञप्त थे या रजिस्ट्रीकृत थे इस प्रकार अनुज्ञप्त या रजिस्ट्रीकृत क्षमता के 23 प्रतिणत तक पर्याप्त विस्तार की अनुज्ञप्त मिश्रप्त किए विना, बढ़ा सकते हैं परन्तु यह तज जब कि कतिपय शतौं का पूरा किया जाता है अर्थात् —(1) कोई प्रतिरिक्त संबन्न या मशीनरी सस्थापित नहीं की जाती है सिवाय लघु तुलन उपस्कर के, जो देण में ही उपाप्त किया जाता है। (2) विदेशी मुद्दा का अतिरिक्त व्यय मत्रविष्ट नहीं होता है श्रीर (3) प्रतिरिक्त उत्पादन से कुर्लभ कच्ची सामग्री के लिए ग्रतिरिक्त सांग का शवसर नहीं भ्राता है।

ऐसे अनुज्ञप्त या रिजस्ट्रीकृत उपक्रम, जिन्होंने 22-4-1978 तक इप सुविधा का उपभोग नहीं कर लिया है, एसे मदों के विनिर्माण की भावन जो लघु उद्योग सेक्टर के लिए श्रीरक्षित हैं, इस सुविधा का उपयोग करने के लिए पाल नहीं होंगे।

- (4) क्रपंथा उद्योग (विकास भीर विनियमन) ग्रधिनिया, 1951 की पहली श्रनुसुची देखे।
- (5) वार्षिक क्षमता सवज्र और मशीनरी के श्रिष्ठकतम उपयोग के बाधार पर प्राक्कालित की जानी है।
- (6) लागत, बीमा, भाड़ा मृत्य प्रायानित कञ्ची मामग्री भीर संब-टका के लिए दिया जाना चाहिए।
- (7) भूमि, भयत, संयद्ध ग्रीर मशीनरी का मूल मूल्य दिया जाना जाहिए । जहा भृमि ग्रीर/या भवन किराए पर दिया जाना है, वहां पूजी-कृत मूल्य दिया जा सकता है ।
- (8) त्रिनिर्माण कार्यक्रम के कथों के परिणाम स्वरूप हुई भिन्तनाएँ भी उपर्वाणन की जा सकती है।
- (9) अनुज्ञप्त क्षमता के श्राधार का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए श्रयति वह लगातार है या गिफ्टो द्वारा ।

		(प्ररूप श्राईः ए	एल के मद 19 में नि	र्दिष्ट प्रोफार्मा)		
			भौर परिस्पित सात करने वाला विवस्ण	न को लाने-ले जान केलिए मेसर्स– ा		की रेल परिवहन
उपत्रम का ठीक ग्रवस्थान ग्रौर यह रेल का स्टेशन जिसका उपयोग किया जाएगा	जानेकेलिए वर्षलाने- ²		थों के दौरान पूर्व प्रा जाने के लिए अपेक्षि पादों की मालाए, टर्न	न के घनुसार दैनिक घाधार ' :में उन महत्वपूर्णस्टेशनो/क्षेत्रों ध	ार पर विभाजन ब्रोंको उपदर्शित	प्रत्येक फण्डीसामग्री कानाम
	 বা	वार्षिक सर् (टनो मे		यत प्राने हैं	करने हुए, अहा के लिए प्रेषण किए जाने टे	
1	2		3 4	5		6
प्रत्येक कच्ची सामग्री के प्रदा स्टेशनों ग्रीर क्षेत्रो श्रादि को		प्रत्येक कर्च्या		प्रेयक भीर प्राप्त कर्ता स्टेणनो विशेष सुविधास्रो का, यदि कोई		रेल परिवहन मगद्भायों से सुसंगत भ्रन्य कोई जान-
करते हुए	<u> जनम्</u> या	चार्षिक संघलन (टनो में)	 ∄निक सचलन (टनो मं)	ग्रन्तर्शत विशेष प्रकार के बैगन भी संकेत	-	कारी
7		8	9	10		11

(प्ररूप बाई एल के मद 20 में निर्दिग्द प्राफार्मी)

								-
उपजम का टीक ग्रायम्थान	भ्रमेक्षित कीयला	ा/कोकार्की	प्रतिमास श्रप	क्षित कोयला/	स्टेशन और क्षेत्र उप-	कार्यके प्रारम फिल्	प्रयुक्त ज्ञालात उपरू	б₹
भीर वह रेल स्टेशन जिसका	श्रेणी वर्ग %	ग्रादि	काक की	माना	द्रशित करने हुए पूर्ति	जाने की पारीख	काप्रकार	
उपयोग विया जाएगा					का स्पेत			
	कोयला	कोक	कोयमा	कोक				
								
1	3	}	4	5	h	7	8	
						_		

अनुमुची

नीचे उल्लिखित वस्तुत्रों के उत्पादन में लगे हुए उपक्रमों की बाबत क्षमताओं की स्वत वृद्धि

भाग---क

- 1 धातुकर्म-उद्योग
 - (1) लोह मिश्र धातुए
 - (2) ढालकर धीर पाटकर बनाई गई इस्पात की वस्तुए
 - (3) विशेष द्रमात
 - (4) अलीह धातुएं भौर उनकी मिश्र धातूए
- 🗦 बायलर भीर वास्य उत्पादक संबद्ध
- मूल गिन उत्पादक (वैश्वन उत्पादको म भिन्न)
 - (1) भौद्यागिक टरबाइन
 - (2) अन्तर्दहन इजन
- 4 विद्युत उपस्कर
 - (1) बिद्युत के पारेषण और बितरण के लिए उपस्कर
 - (2) विद्युत मोटरें
 - (3) विद्युत भट्टिया
 - (4) एक्स-रे उपस्कर
 - (5) इलैक्ट्रानिक संबदक घोर उपस्कर
- **५ परिवह**न
 - (1) यात्रिक पाल जलयान 1000 जी० डब्स्यू० टी० सक
 - (2) पोत सहायक
 - (3) वाणिज्यक यान
- भौद्योगिक मशीनरी
- मशीन बौजार, जिंग, फिक्स अर विणिष्ट प्रकारों के बौजार और डाइया
- 8 कृषि मणीनरी, ट्रैक्टर भौर पावर दिसर
- मिट्टी हटाने वाली मशीनरी
- 10 भौद्योगिक उपकरण

दबाब, नापमान, प्रवाट की गति, बजन, तल भीर वैसीटी भ्रन्य बातो के सकेतन भ्रमिलेखन भीर विनियमन युक्तिया करने वाल

- ।। वैसानिक उपकरण
- 12 नाइट्रोजनी श्रीर फास्फेटी उबेरक, जो निम्नलिखित क श्रन्तर्गत श्राने है --- १
 - (i) उद्योग (विकास भौर विचित्रमन) मिश्रिनियम, 1951 की प्रथम मनुसूती में 18 उत्तरक के अधीन मकार्बनिक उर्थरक ।

- 13 रमायन (उर्वन्को से भिन्न)
 - (1) प्रकार्वनिक भारी रसायन
 - (2) कार्बनिक भागी रसायन
 - (3) सूक्ष्म रसायन जिनके अन्तर्गत फाटोग्राफिक रसायन भी है ।
 - (4) संगलिण्ड रेजिन और प्लास्टिक
 - (5) सम्रलिप्ट ग्वर
 - (6) कृषि लेम फाइबर
 - (7) भौगोगिक विस्फाटक
 - (8) कीटनामी कवकनाणी प्रथनुणनाणी घौर वैसे ही प्रत्य
 - (9) मशलिष्ट प्रपमार्जक
 - (10) प्रकीर्ण रसायन (केबल घीडोगिक प्रयोग के लिए)
- 14 सीपधि भीर भेषज
 - (क) उच्च प्रौद्योगिकी प्रगुत्र मौषधि के उत्पादन के लिए भाषारिक स्तर में ग्रौषधि मग्रक भीर
 - (ख) श्राधारिक स्तर से उच्च प्रौद्योगिकी प्रपुत्र प्रौषधिया भीर उन पर माधारित सम्पण तथा 1 5 के सभी स्म्नातों के सच्चण से प्रपुत्र श्रौषधि खपत का (स्वय के विनिर्माण की) समग्र प्रसुपात ।
- 15 कागज ग्रीर लुग्दी जिसके घन्तर्गत कागज उत्पाद भी है
- 16 माटर गाई। टायर घोर द्युब
- 17 व्यटनमास
- 18 मृत्लिका शिल्प
 - (1) उच्चताप सह
 - (2) भट्ठी ग्रस्तर इंटे---ग्रामलीय मन ग्रीर निष्प्रभावी
- 19. सीमेन्ट उत्पाद
 - (।) पार्टलैण्ड सीमेन्ट
 - (2) ऍम्बेस्टास सीमेन्ट

भाग---ज

अपर भाग-क में सूचीबद्ध उद्योगों के अतिरिक्त निम्नलिश्वित उद्योग उस मीमा तक जिस तक वे पहल ही ऊपर भाग "क' में सम्मितित नहीं है ---

- ा मोटर गाडी प्रनुषशी
- 😕 ढाल भीर बन्द डाई फाजन
- **उ ट्रेक्ट**र
- वाणिज्यक यान
- 5 वहुन उपस्कर

- 6. डीअल इजन, पस्प
- 7. केन
- मिट्टी हटाने, जनन भौर धातुकर्म संबंधी उपस्कर
- व्रथमासित उपस्कर
- भीखोगिक मशीनरी, जिसके श्रन्तर्गेत रसायन, सयंद्र और मशीनरी भी है।
- 11. मशीन श्रीजार
- 12. टेक्सटाइल मर्गान
- 13. विश्वत संप्रेषण भीर जितरण उपस्कर (केंबल भीर तारा से भिन्त)
- 14. पावर ट्रान्सफार्मर
- 15. स्विचगियर
- 16. ग्रीविधि ग्रीर फार्मास्वृदिकल, उनसे भिल्न जो भाग "क" के कम संख्यांक 14 पर विनिर्दिष्ट है।

[फाइल स॰ 38/2/81-सी एल V] ए॰ मीलकातन, संयुक्त मिलक

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

ORDERS

New Delhi, the 17th July, 1981

S.O. 568(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 5 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs) No. S.O. 2802 dated the 24th July, 1976, the Central Government hereby specifies the Form annexed to this Order in which a notice under sub-section (1) of section 2E of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), shall be given in respect of the undertakings in so far as there is automatic growth of capacity in them in the case of production of any of the articles specified in the Schedule to this Order.

ANNEXURE

FORM II

APPLICATION FOR LICENCE OR PERMISSION

(To be submitted with 10 spare copies)

NOTE:—This form is to be used for application for a licence or permission for the establishment of a new industrial undertaking (under Section 11) or to effect substantial expansion [under section 13 (1) (d)] or for the manufacture of new articles (under section 11A) under the provisions of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.

- 1. Name and address of the Applicant.
- 2. (i) Name and address of the industrial undertaking.
 - (ii) Names of proprietors, partners or Board of Directors and their addresses.
- 3. Whether the undertaking is registered under the MRTP Act 1969. If so, please indicate:
 - Sub-section of Section 20 with reference to which registered (i.e., Section 20(a) or (b).
 - (ii) Registration No. and date,
 - (iii) Whether an application has been made to the Department of Company Affairs for permission under Section 21 or 22 of the MRTP Act, 1969, If so,

- please give brief particulars. If not, please state reasons for not submitting the application.
- (iv) If not registered under MRTP Act, please give the number and date of show cause notice, if any, issued to you by the Department of Company Affairs. Also indicate whether you have made any representation in this regard to that Department and, if so, when.
- (v) Whether the applicant firm/undertaking is a 'dominant undertaking' in terms of the MRTP Act. If so, please indicate.
 - (a) Items of production in respect of which the undertaking falls in the category of 'dominant undertaking'.
 - (b) Annual production figures in respect of such items for the preceding four calendar years,
- 4. Whether there is any foreign equity shareholding in the applicant firm/undertaking and if so, the extent and percentage of equity shareholding held by companies registered abroad, or by non-Indian nationals or non-resident Indians. These details may be furnished separately for direct and indirect foreign holdings.
- 5. (a) Whether the investment is proposed to be undertaken by a new undertaking? If so, indicate proprietors, partners or Board of Directors and their addresses.
 - (b) In the case of a cooperative undertaking, indicate:
 - details as to how its membership is constituted viz., of workers; producers of raw materials; consumers and others.
 - (ii) details of capital structure viz., capital to be raised by members; share participation by the State or Central Government; and by others.
- 6. Financing pattern for the proposed investment containing details of (i) capital to be raised by the applicant and his supporters (ii) assistance, if any, proposed to be sought from financing institutions with break-down of loans, underwitting participation in equity capital, etc. and (iii) from other sources.
- 7. (a) Proposed location of the factory
 Tehsil————District———State———
- (b) Whether the Tehsil/District is a notified backward area eligible for investment subsidy from the Government.
- (c) (i) Whether the proposed location falls within the standard urban area limit as determined in the Census of India, 1971, of a city having a population of more than 1 million.

or

- (ii) within the municipal limit of a city of population more than 0.5 million as determined in the Census of India, 1971.
 - 8. Whether the proposed investment is for a new undertaking (NU), or for the manufacture of new articles (NA) or for the substantial expansion (SE) in the existing undertaking.
 - Items of manufacture and capacities for which licence is sought:

CU T:	· Cabadalad Industria	D1	
Si. Items of	manu- Scheduled Industry	Proposed	
No. facture	to which it relates	installed	capacity
1 2	3	4	

(b) Value of anticipated requirements of imported parts and components (c.i.f.) in the fourth year from the

2

1

materials

required

3

value of

production

4

5

date of commencement of production and the percentage of such imports to the exfactory value annual production.

12. If it is proposed to manufacture new articles or undertake substantial expansion in the existing undertaking, furnish the following details :-

(a)

Sl. Item of Present licen-Capacity of Annual cap-No. manufacsed capacity expansion acity after fure envisaged expansion (Col. 3 plus Col. 4). 1 2 3 5 4

- (b) Ex-factory value of:
- (i) annual production of items presently manufactured.
- (ii) annual production of items proposed for manufacture.
- 13. Indicate requirements of fixed assets the following form:

Existing Proposed

961

- (a) Land
- (b) Building
- (c) Machinery
 - (i) indigenous
 - (ii) imported
- 14. Is any foreign collaboration (whether in the form of royalty or consultancy agreement or investment) envisaged ?
- 15. (a) Is export envisaged of the items proposed to be manufactured? If so, furnish details of quantity to be exported and f.o.b. value thereof.
 - (b) Are you prepared to undertake an export obligation? If so, indicate the percentage of production in terms of value and/or quantity that will be covered by the obligation.
- 5 16. Effect on balance of payments for the first
 - (a) Foreign exchange earnings based on f.o.b. value of exports covered by export obligation and/or foreign exchange savings through import substitution (c.i.f. value).
 - (b) Foreign exchange outgo on
 - (i) import of machinery and equipment
 - (ii) import of raw materials and components
 - (iii) repatriation of dividends and profits to foreign collaborators
 - (iv) other payments to collaborators by way of lumpsum, royalty, technical know-how fee etc.
 - (c) Net foreign exchange outgo or inflow (a) minus (b)

- 17. Water supply:
 - (i) Is adequate water (furnish quantity) available for the requirements of the factory and township and staff quarters?

- (ii) Will it be drawn from public sources ?
- 18. Power Supply:

Connected Maximum
Load in KW demand in KW

- (a) Total requirements of power for the proposed project.
- (b) Break-up of the above requirements of power to be met from
 - (i) Own generating station.
 - (ii) From Public supply.
- (c) In case of own station the particulars of plant in operation.
- 19. Transport: If possible, indicate requirements of rail transport for movement of raw materials and finished products in the proforma attached.
- 20. Fuel: Give details of fuel requirements. If possible, indicate requirements of coal coke in the proforma attached.
- 21. Staff and labour proposed to be employed in the implementation of the project:
 - (a) Managerial
 - (b) Supervisory— Technical Non-technical
 - (c) Clerical
 - (d) Labour-

Skilled

Semi-skilled

Unskilled

(e) Other Categories, if any

Total	ł		
1 Otal			

- 22. Whether any of the required components are proposed to be sub-contracted to small scale and ancillary units and if so, the details thereof?
- 23. Give a brief description of the processes involved in the manufacture and factors favourable for their adoption.
- 24. Indicate the steps proposed to ensure safe disposal of the discharge of effluents and gases into air, water and soil.
- 25. Estimated time required for commercial production from the date of issue of the letter of intent or industrial licence.
- 26. Whether the applicant has been issued any industrial licence or letter of intent so far and if so full particulars of each letter of intent/industrial licence issued to him with reference number, date of issue, items of manufacture, and progress of implementation of each such letter of intent/industrial licence.
- 27. Mention details of the industrial undertakings under the control of the applicant or with the management of which the applicant has been associated which had remained closed for a consecutive period of not less than 90 days during three years preceding the date of application. Reasons

for closure, steps taken by the management for the revival and the present state of that industrial undertaking may also be indicate.

28. Please state the factors which you consider favourable in respect of your application e.g., suitability and experience of the applicant or undertaking for implementing the scheme, preliminary studies on techno-economic aspects, market forecast etc., made before making the application, direct and indirect employment and in the case of substantial expansion, the considerations which would favour it.

Place			
	Signature	of	Applicant.
Date-			

EXPLANATORY NOTES

- (1) "Industrial undertakings" means any undertaking pertaining to a scheduled industry carried on in one or more factories by any person or authority including Government.
- (2) "new article", in relation to an industrial undertaking which is registered or in respect of which a licence or permission has been issued means—
 - (a) any article which falls under an item in the First Schedule to the Industries (Development and Regulation) Act 1951 other than the item under which articles ordinarily manufactured or produced, in the industrial undertaking at the date of registration or issue of the licence or permission, as the case may be, fall;
 - (b) any article which bears a mark as defined in the Trade Marks Act 1940 or which is subject of a patent if at the date of registration or issue of the licence or permission, as the case may be, the industrial undertaking was not manufacturing or producing such article bearing that mark or which is the subject of that patent.
- (3) In accordance with Government's announcement made in October 1966 indutrial undertaking can increase production of articles for which they were licensed or registered up to 25 per cent of the capacity so licensed or registered without obtaining a substantial expansion-licence. provided that certain conditions were fulfilled. viz., (i) no additional plant and machinery is installed exept minor balancing equipment procured indigenously; (ii) no additional expenditure of foreign exchange is involved; and (iii) the extra production does not occasion any additional demand for scarce raw materials.

Such of the licensed or registered undertakings which have not availed themselves of the facility as on 22-4-1978 will not be eligible to avail themselves of this facility in respect of their manufacture of items reserved for the small scale sector.

- (4) Please refer to the First Schedule to the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.
- (5) The annual capacity is to be estimated on the basis of the maximum utilisation of plant and machinery.
- (6) c.i.f. value should be given for imported raw materials and components.
- (7) Original value of land, buildings, plant and machinery should be furnished. Where the land and/or building is rented, the capitalised value of the same may be given.
- (8) Any variations as a result of the phasing of the manufacturing programme may also be indicated.
- (9) Basis of licensed capacity should be clearly stated viz whether continuous or by shifts.

(Proforms referred to in item 19 in Form II)

STATEMENT SHOWING THE RAIL TRANSPORT REQUIREMENTS OF M/S.....

FOR THE MOVEMENT OF RAW MATERIALS AND FINISHED GOODS FOR THE MANUFACTURE OF......

Exact location of the undertaking and railway sta- tion which will serve it			Quantities of finished products intonnes required to be moved by rail year by year during the next few years		oved of traffic the on a dail important	as stated in col. 3 y basis indicating stations/areas to despatches are to		
		A	nnual move- ment (tonnes)	Daily avera	ge			
1		2	3	` 4		5	6	
material indicating static and areas, etc.		Annual movement (tonnes)	Daily movement (tonnes)	th e i ing	despatching and receiv- stations including special es of wagons		lway transport require-	
7		8 			10			
Exact location of the Cundertaking and	rade, clas		QUIREMENTS	OF COAL,	Source of supply indicating sta-	Date of commenc-	Type of burning	
the railway sta- tion which will C serve it	oal	Coke	Coal	Coke	tion and areas			
		3	- 	5	6	7	8	

SCHEDULE

Automatic growth of capacities in respect of undertakings engaged in the production of the undermentioned articles:—

PART A

- 1. Metallurgical Industries :
 - (1) Ferro Alloys
 - (2) Steel Castings and forgings
 - (3) Special Steels
 - (4) Non-Ferrous metals and their alloys
- 2. Boilers and steam generating plants.
- 3. Prime movers (other than electrical generators):
 - (1) Industrial turbines
 - (2) Internal combustion engines.
- 4. Electrical equipment :
 - (1) Equipment for transmission and distribution of electricity.
 - (2) Electrical motors
 - (3) Electrical furnaces
 - (4) X-Ray equipment
 - (5) Electronic components and equipment,

- 5. Transportation:
 - (1) Mechanised sailing vessels upto 1000 DWT
 - (2) Ship ancillaries
 - (3) Commerical vehicles
- 6. Industrial Machinery.
- 7. Machine Tools, Jigs, Fixtures, Tools and Dies of specialised Types.
 - 8. Agricultural machinery, tractors and Power tillers
 - 9. Earthmoving machinery.
- 10. Industrial instruments; indicating, recording and regulating devices for pressure, temperature, rate of flow, weights levels and the like.
 - 11. Scientific instruments,
 - 12. Nitrogenous and Phosphatic Fertilizers falling under:
 - (1) Inorganic fertilisers under '18, Fertilisers' in the First Schedule to the Industrial (Development & Regulation) Act. 1951.
 - 13. Chemicals (other than Fertilisers)
 - (1) Inorganic heavy chemicals
 - (2) Organic heavy chemicals
 - (3) Fine Chemicals, including photographic chemicals

- (4) Synthetic resins and plastics
- (5) Synthetic rubbers
- (6) Man-made fibres
- (7) Industrial Explosives
- (8) Insecticides, fungicides, Weedicides and the like.
- (9) Synthetic detergents
- (10) Miscellaneous Chemicals (for industrial use only)
- 14. Drugs and Pharmaceuticals
 - (a) Drug intermediates from the basic stage for production of high technology bulk drugs; and
 - (b) High technology bulk drugs from basic stage and formulation based thereon with an overall ratio of bulk drug consumption (from own manufacture) to formulation from all sources of 1:5.
- 15. Paper and Pulp including Paper Products
- 16. Automobile Tyres and Tubes
- 17. Plate Glass
- 18. Ceramics
 - (1) Refractories
 - (2) Furnace lining bricks-acidle, basic and neutral
- 19. Cement Products:
 - (1) Portland cement
 - (2) Asbestos cement

PART B

In addition to industries listed in Part A above, the following industries to the extent they are not already included in Part A above:—

- 1. Automobile ancillaries
- 2. Castings and closed die forgings
- 3. Tractors
- 4 Commercial vehicles
- 5. Diesel engines, pumps
- 6. Conveying equipment
- 7. Cranes
- 8. Earth-moving, mining and metallurgical equipment
- 9. Hydraulic equipment
- Industrial machinery, including chemicals, plant and machinery
- 11. Machine tools
- 12. Textile machines
- 13. Power transmission and distribution equipment (other than cables and wires)
- 14. Power transformers
- 15. Switchgears
- Drugs and Pharmaceuticals other than those specified at S. No. 14 of Part A.

[File No. 38|2|81-C. L. V.]

का॰ आ॰ 56.9(अ):—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में ऐसा करना श्रावश्यक श्रीर समीचीन है;

मतः, केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4क के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए भौर भारत सरकार के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की श्रिधसूचना सं० का०आ० 2803, तारीख 24 जलाई, 1976 की श्रिधकान्त करते हुए, ऐसे उपक्रमों की बाबत, बहां तक जहां तक कि उनमें उस म्रादेश की मनसूची में विनिर्दिष्ट किसी वस्तु के उत्पादन की दशा में क्षमता की स्वतः वृद्धि होती है, उक्त नियम के उपनियम (1) में निर्दिष्ट साधारण सूचना के प्रकाशन से म्रभिमुक्ति प्रदान करती है:

ग्रनुमूची

नीचे उल्लिखित वस्तुओं के उत्पादन में लगे हुए उपक्रमों की बाबत क्षमताओं की स्वतः वृद्धि

भाग क

- 1. धातु कर्म उद्योग
 - (1) लोह मिश्र धातुएं
 - (2) ढालकर भ्रीर पाटकर बनाई गई इस्पात की वस्तुएं
 - (3) विशेष इस्पात
 - (4) अलौह धातुएं और उनकी मिश्र धातुएं
- 2. बॉयलर ग्रीर वाष्प उत्पादक संयंत्र
- 3. मूल गति उत्पादक (वैद्युत उत्पादकों से भिन्न)
 - (1) ग्रौद्योगिक टरवाइन
 - (2) अन्तर्दहन इंजन
- 4. विद्युत उपस्कर:
 - (1) विद्युत के पारेषण श्रीर वितरण के लिए उपस्कर:
 - (2) विद्युत मोटरें
 - (3) विद्युत भट्टियां
 - (4) एक्सरे उपस्कर
 - (5) इलेक्ट्रानिक संघटक भीर उपस्कर
- 5. परिवहन
 - (1) यांतिक पाल जलयान 1000 डी डब्ल्यू टी तक
 - (2) पोत सहायक
 - (3) वाणिज्यिक यान
- 6. ग्रौद्योगिक मशीनरी
- मशीन औजार, जिग, फिक्सचर, विशिष्ट प्रकारों के औजार ग्रीर डाइयां
- 8. कृषि मशीनरी ट्रैक्टर ग्रौर पावरटिलर
- 9. मिट्टी हटाने वाली मशीनरी
- 10. भौद्योगिक उपकरण:

दबाव, तापमान, प्रवाह की गति, वजन, तल और वैसी ही अन्य बातों के संकेतन अभिलेखन और विनियमनयुक्तियां करने वाली

- 11. वैज्ञानिक उपकरण
- नाइट्रोजनी ग्रौर फास्फेटी उर्वरक, जो निम्नलिखित के ग्रन्तर्गत ग्राते हैं:--
 - (1) उद्योग (विकास ग्रौर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 की प्रथम ग्रनुसूची में 18 उर्वरक के ग्रिधीन ग्रकाबेनि व उर्वरक।
- 13. रसायन (उर्वरकों से भिन्न)
 - (1) ग्रकार्बनिक भारी रसायन 🕴
 - (2) कार्बनिक भारी रसायन
 - (3) सूक्ष्म रसायन जिनके बन्तर्गत फोटोग्राफि क रसायन भी हैं।

- (4) संश्लिष्ट रेजिन भीर प्लास्टिक
- (5) संश्लिष्ट रवर
- 🕻 6) कृत्रिम फाइबर
- (7) भौद्योगिक विस्फोटक
- (8) कीटनाशी, कवकनाशी अपतृण नाशी और वैसे ही अन्य
- (9) संशिलष्ट ग्रपमार्जक
- (10) प्रकीणं रमायन (केवल ग्रीद्योगिक प्रयोग के लिए)

14. ग्रौषधि ग्रौर भेषज

- (क) उच्च प्रौद्योगिको प्रपुंज श्रौषधि के उत्पादन के लिए श्राधारिक स्तर से श्रौषधि मध्यक, श्रौर
- (ख) आधारिक स्तर से उच्च प्रौद्योगिकी प्रपूंज श्रोषधियां श्रोर उन पर श्राधारित संरूपण तथा, 1:5 के सभी स्रोतों के संरूपण से प्रपूंज श्रोषधि खपत का (स्वयं के विनिर्माण की) समग्र श्रनुपात।
- 15. कागज धौर लुग्दी जिसके श्रन्तर्गत कागज उत्पाद भी है।
- 16. मोटर गाड़ी टायर और ट्यूब
- 17. प्लेट-ग्लास
- 18. मत्तिका शिल्प
 - (1) उच्च ताप सह
 - (2) भट्ठी अस्तर इँटे-- आम्लीय, मूल और निष्प्रभावी ।
- 19. सीमेन्ट उत्पाद
 - (1) पोर्टलैण्य सीमेन्ड
 - (2) ऐस्बेस्टास सीमेन्ट

भाग ख

ऊपर भाग "क" में सूचीबढ़, उद्योगों के अतिरिक्त, निम्नलिखित उद्योग उस सीमा तक जिस तक वे पहले ही ऊपर भाग "क" में सम्मिलित नहीं हैं:--

- 1. मोटर गाड़ी (मनुषंगी)
- 2. ढाला श्रीर बन्द डाई फोर्जन
- 3. **ट्रैक्ट**र
- 4. वाणिज्यिक यान
- बहन उपस्कर
- 6. डीजल ईंजन, पम्प
- 7. क्रेन
- 8. मिट्टी हटाने, खनन श्रीर धातुकर्म संबंधी उपस्कर
- 9. द्रव चालित उपस्कर
- 10. ब्रीबोगिक मशीनरी, जिसके अंतर्गत रसायन, संयंत्र और मधीनरी भी है
- 11. मशीन भौजार
- 12. टैक्सटाइल मशीने
- 13. विद्युत संप्रेषण भीर वितरण उपस्कर (केवल भीर तारों से भिन्न)
- 14. पावर ट्रान्सफामेर
- 15. स्विच गियर
- 16. श्रीषधि श्रीर फार्मास्यूटिकल उनसे भिन्न जो भाग "क" के कम संख्याक 14 पर विनिर्दिष्ट है।

[फा.० सं० 38/2/81-सी एव V] ए० नीलकान्तन्, संयुक्त सचित्र S.O. 569(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of Rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs) No. S. O. 2803 dated the 24th July, 1976, the Central Government hereby dispenses with the publication of the general notice referred to in sub-rule (1) of the said rule, in respect of undertaking in so far as there is automatic growth of capacity in them in the case of production of any of the articles specified in the Scedule to this order:

SCHEDULE

Automatic growth of capacities in respect of undertakings engaged in the production of the undermentioned articles:—

PART A

- 1. Metallurgical Industries:
 - (1) Ferro Alloys
 - (2) Steel Castings and forgings
 - (3) Special Steels
 - (4) Non-ferrous metal and their alloys
- 2. Boilers and steam generating plants
- 3. Prime movers (other than electrical generators):
 - (1) Industrial turbines
 - (2) Internal combustion engines
- 4. Electrical equipment:
 - (1) Equipment for transmission and distribution of electricity
 - (2) Electrical motors
 - (3) Electrical furnaces
 - (4) X-ray equipment
 - (5) Electronic components and equipment
- 5. Transportation:
 - (1) Mechanised sailing vessels upto 1000 DWT
 - (2) Ship ancillaries
- (3) Commercial Vehicles
- 6. Industrial Machinery
- 7. Machine Tools, Jigs, Fixtures, Tools and Dies of Spcialised Types
 - 8. Agricultural machinery, tractors and Power tillers.
 - 9. Earthmoving machinery
- 10. Industrial instruments: indicating, recording and regulating devices for pressure, temperature, rate of flow, weights, levels and the like.
 - 11. Scientific instruments
 - 12. Nitrogenous and Phosphatic Fertilisers falling under :-
 - Inorganic fertilisers under '18. Fertilisers' in the First Schedule to the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.
 - 13. Chemicals (other than Fertilisers):
 - (1) Inorganic heavy chemicals
 - (2) Organic heavy Chemicals
 - (3) Fine chemicals, including photographic chemicals
 - (4) Synthetic resins and plastics
 - (5) Synthetic rubbers
 - (6) Man-made fibres
 - (7) Industrial Explosives
 - (8) Insecticides, fungicides, Weedicides and the like.
 - (9) Synthetic detergent
 - (10) Miscellaneous Chemicals (for industrial use only)

14. Drugs and Pharmaceuticals:

- (a) Drug intermediates from the basic stage for production of high technology bulk drugs; and
- (b) High technology bulk drugs from basic stage and formulation based thereon with an overall ratio of bulk drug consumption (from own manufacture) to formulation from all sources of 1:5.
- 15. Paper and Pulp including Paper Products
- 16. Automobile Tyres and Tubes
- 17. Plate Glass
- 18. Ceramics:
 - (1) Refractories
 - (2) Furnacelining bricks—acidic, basic and neutral.
- 10. Cement Products:
 - (1) Portland Cement
 - (2) Asbestos cement

PART B

In addition to industries listed in Part A above, the following industries to the extent they are not already included in Part A above:—

1. Automobile ancillaries

- 2 Castings and closed die forgings
- 3. Tractors.
- 4. Commercial vehicles
- 5. Conveying equipment
- 6. Diesel engines, pumps
- 7. Crance
- 8. Earth-moving, mining and metallurgical equipment
- 9. Hydraulic equipment
- 10. Industrial machinery, including chemicals, plant and machinery
 - 11. Machine tools
 - 12. Textile machines
- 13. Power transmission and distribution equipment (other than cables and wires)
 - 14. Power transformers
 - 15. Switchgears.
- 16. Drugs and Pharmaceuticals other than those specified at item No. 14 of Part A.

[File No. 38/2/81₂C.L.V] A. NEELAKANTHAN, Jt. Secy.